उक्त दि० 25.10.24. को पेश [illegible]

25.06.25 पत्रावली पेश हुई। कोई भी उप०।
वादी व वादी वकील को बार-बार
आवाज लगाई गई किन्तु कोई भी
उप० नहीं है। वादी व वादी वकील
के लगातार [illegible] अनु० रहने से
पत्रावली अदम [illegible] पेशी
को खारिज की जाती है। पत्रावली
फैसल शुदा होकर नम्बर से कम हो।
बाद पूर्ति दाखिल दफ्तर हो।